भारत सरकार

योजना मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 4098

दिनांक 12.08.2026 को उत्तर देने के लिए

सतत विकास लक्ष्य

4098. श्री रमाशंकर विद्यार्थी राजभर:

क्या **योजना मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) वर्ष 2030 तक सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को प्राप्त करने के लिए निर्धारित संकेतकों के अनुसार भारत द्वारा वर्तमान में की गई प्रगति का ब्यौरा क्या है;

(ख) राष्ट्रीय औसत से कम दर्ज किए गए राज्यों और जिलों का कार्य-निष्पादन क्या है;

(ग) पूर्वांचल के पिछड़े जिलों विशेषकर देवरिया और बलिया के लिए तैयार की गई विशेष विकास कार्यनीति का ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या सरकार प्रत्येक वर्ष सतत विकास लक्ष्यों के संकेतकों की जिला-वार रैंकिंग को संसद के पटल पर रखने पर विचार कर रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय;

राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) योजना मंत्रालय एवं

राज्यमंत्री, संस्कृति मंत्रालय

(राव इंद्रजीत सिंह)

(क) और (ख) नीति आयोग ने एसडीजी इंडिया इंडेक्स विकसित किया है, जो राष्ट्रीय संकेतक ढांचे और भारत सरकार के संबंधित मंत्रालयों/विभागों द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों का उपयोग करते हुए 17 सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) पर राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों की प्रगति का आकलन करता है। एसडीजी इंडिया इंडेक्स एसडीजी प्राप्त करने की दिशा में राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा की गई प्रगति को प्रस्तुत करता है और प्रतिस्पर्धी और सहकारी संघवाद को बढ़ावा देता है। राज्यों का प्रदर्शन सार्वजनिक रूप से उपलब्ध है और इसे https://www.niti.gov.in/sites/default/files/2024-07/SDG_India_Index_2023-24.pdf से प्राप्त किया जा सकता है।

इसके अतिरिक्त, नीति आयोग और पूर्वोत्तर क्षेत्र मंत्रालय (एमडीओएनईआर) द्वारा पूर्वोत्तर क्षेत्र जिला एसडीजी सूचकांक के माध्यम से पूर्वोत्तर राज्यों के लिए जिला-स्तरीय मूल्यांकन किया गया है। कुछ राज्य सरकारों ने एसडीजी इंडिया इंडेक्स की कार्यप्रणाली के आधार पर राज्य-विशिष्ट जिला एसडीजी सूचकांक भी तैयार किए हैं। पूर्वोत्तर एसडीजी जिला सूचकांक की नवीनतम रिपोर्ट यहां से प्राप्त की जा सकती है: https://www.niti.gov.in/sites/default/files/2025-07/SDG-NER-Report.pdf

(ग) नीति आयोग ने 2018 में आकांक्षी जिला कार्यक्रम (एडीपी) और 2023 में आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम (एबीपी) शुरू किया, जिसका उद्देश्य 117 जिलों और 513 ब्लॉकों को तेजी से बदलना है। एडीपी के तहत प्रगति की निगरानी 49 प्रमुख प्रदर्शन संकेतकों (केपीआई) के माध्यम से की जाती है, जो शासन और सेवा वितरण के लिए एक संरचित दृष्टिकोण सुनिश्चित करते हैं। एबीपी प्रगति की निगरानी करने, विभिन्न जिलों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने और जमीनी स्तर पर सेवा वितरण में सुधार करने के लिए महत्वपूर्ण सामाजिक क्षेत्रों में, 40 प्रमुख प्रदर्शन संकेतकों (केपीआई) का उपयोग करता है। आकांक्षी जिलों और आकांक्षी ब्लॉकों के प्रदर्शन की नियमित रूप से समीक्षा की जाती है, और उन्हें परिभाषित संकेतकों पर की गई प्रगति के आधार पर रैंक किया जाता है, जो क्रमशः एडीपी (http://championsofchange.gov.in/site/coc-home/) और एबीपी (https://abp.championsofchange.gov.in/) के लिए चैंपियंस ऑफ चेंज डैशबोर्ड पर सार्वजनिक रूप से उपलब्ध है।

देवरिया जिले के गौरी बाजार ब्लॉक और बलिया जिले के बांसडीह और चिलकहर ब्लॉक को आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम (एबीपी) के तहत चिन्हित किया गया है।

(घ) जी नहीं।

*****